



इस्पात मंत्रालय

इस्पात उद्योग के प्रमुख हितधारकों के साथ दूसरे विचार-मंथन अधिवेशन का आयोजन करेगा इस्पात मंत्रालय

Posted On: 15 OCT 2017 11:05AM by PIB Delhi

भारत का इस्पात क्षेत्र तीन साल की छोटी सी अवधि में आमूलचूल बदलाव दर्शाने वाले एक ज्वलंत उदाहरण के रूप में उभर कर सामने आया है। इस दिशा में इस्पात उद्योग द्वारा किए गए प्रयासों को भारत सरकार की ओर से भरपूर अपेक्षित सहयोग मिला, ताकि उसे समान अवसर के साथ-साथ विकास के लिए अनुकूल माहौल भी मिल सके।

इस्पात मंत्री श्री बीरेंद्र सिंह ने 'मेक इन स्टील फॉर मेक इन इंडिया' के अपने आह्वान के साथ इस्पात उद्योग को प्रेरित किया है। इस्पात उद्योग के सभी प्रमुख हितधारक राष्ट्र निर्माण में योगदान देने के इच्छुक हैं। इस ऊर्जा को नई दिशा देने के लिए इस्पात मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ इस्पात मंत्री इस उद्योग के प्रमुख हितधारकों के साथ औपचारिक और अनौपचारिक बैठकें करते रहे हैं। इस भावना को निरंतर जारी रखते हुए इस्पात मंत्रालय के अधीनस्थ सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों सहित औद्योगिक हितधारकों के साथ दूसरा विचार-मंथन अधिवेशन 16 अक्टूबर, 2017 को चंडीगढ़ में आयोजित किया जा रहा है।

इसी तरह का एक दिवसीय विचार-मंथन अधिवेशन इससे पहले सूरजकुंड में आयोजित किया गया था और अगले अधिवेशन का आयोजन चंडीगढ़ में सिर्फ दो माह की अवधि के भीतर किया जा रहा है।

चंडीगढ़ में होने वाले विचार-मंथन अधिवेशन के दौरान कुछ अभिनव विचार सृजित करने के लिए एक बहु-आयामी एजेंडा तय किया गया है। इसका उद्देश्य विभिन्न पहलुओं पर इन कंपनियों के प्रदर्शन में नई जान फूंकना एवं बेहतरी सुनिश्चित करना और इसके साथ ही उनमें होने वाले आमूलचूल बदलाव को निरंतर बनाए रखने के लिए भावी रणनीति विकसित करना है।

वीके/आरआरएस/एसएस - 5076

(Release ID: 1506193) Visitor Counter : 12

